इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, बुधवार, 10 जून 2026
वर्ष 18 अंक 278 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

ब्रह्मज्ञानी को स्वर्ग तृण है,
शूर को जीवन तृण है, जिसने
इंद्रियों को वश में किया उसको
स्त्री तृण-तुल्य जान पड़ती है,
निस्पृह को जगत तृण है
-चाणक्य

तापमान - अधिकतम 42.0°C (+2.3) न्यूनतम 29.0°C(+2.4) सेंसेक्स 73,918.75 (+394.50) निफ्टी 23,242.10 (+119.10) सोना 1,53,310 चांदी 2,60,000 मुद्रा - डालर 95.35 दिरहम 25.96 रियाल 25.42

तम्बाकू सेवन की समस्या के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है सरकार : डॉ. पवन

लखनऊ (ब्यूरो)। तम्बाकू का इस्तेमाल आज के दौर की सबसे गंभीर, जटिल और बहुआयामी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। तम्बाकू की लत एक बार लग जाए तो उससे मुक्त होना बहुत मुश्किल होता है। असंख्य लोग इस संघर्ष में अपना स्वास्थ्य, अपने प्रियजन और अपना जीवन तक खो देते हैं। प्रदेश सरकार इस गंभीर चुनौती के प्रति पूरी तरह सजग, संवेदनशील और संकल्पबद्ध है। यह बात महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. पवन कुमार अरुण ने कही। वे मंगलवार को सचिवालय सभागार में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की हिंदी निर्देशिका का विमोचन भी किया गया।

- **राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम की हिंदी निर्देशिका का हुआ विमोचन**
- **एरा मेडिकल कॉलेज में होता है तम्बाकू त्याग केन्द्र का संचालन : डॉ. जमाल मसूद**

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण व चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि तम्बाकू नियंत्रण से संबंधित नीतियों, विधिक प्रावधानों व प्रशासनिक दिशा-निर्देशों को एकीकृत रूप में पेश करने के लिए यह निर्देशिका तैयार की गयी है। यह दस्तावेज स्वास्थ्य अधिकारियों, प्रशासनिक इकाइयों, शिक्षण संस्थानों व प्रवर्तन एजेंसियों के लिए उपयोगी होगा और तम्बाकू नियंत्रण में सहयोग प्रदान करेगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक व सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. पिंकी जोवल ने कहा कि तम्बाकू के लगातार उपयोग से लाखों लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, जिससे परिवारों पर मानसिक, सामाजिक और आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। युवा वर्ग तेजी से तम्बाकू उत्पादों की ओर आकर्षित हो रहा है, जिससे समाज के स्वस्थ भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जरूरी है कि समाज का हर वर्ग तम्बाकू नियंत्रण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए और स्वस्थ जीवनशैली के लिए आगे आए।

कार्यशाला में एरा लखनऊ मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के प्रिंसिपल व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रो. जमाल मसूद ने बताया कि एरा मेडिकल कॉलेज में तम्बाकू त्याग केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। एरा मेडिकल कॉलेज में हर महीने एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों को राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम और तम्बाकू सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देते हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने एरा मेडिकल कॉलेज के इस कार्य की सराहना की। संयुक्त निदेशक डॉ. मुकेश मतान्हेलिया ने अतिथियों का आभार जताया।